आचार्य विनोबा भावे

प्रिलिम्स के लिये:

आचार्य विनोबा भावे, महात्मा गांधी, भूदान आंदोलन, असहयोग आंदोलन, महाराष्ट्र धर्म

मेन्स के लिये:

आचार्य विनोबा भावे का राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम में योगदान एवं उनके सामाजिक सुधार संबंधी कार्यक्रम

चर्चा में क्यों?

हाल ही में प्रधानमंत्री ने आचार्य विनोबा भावे की जयंती पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रमुख बिंदु

- // 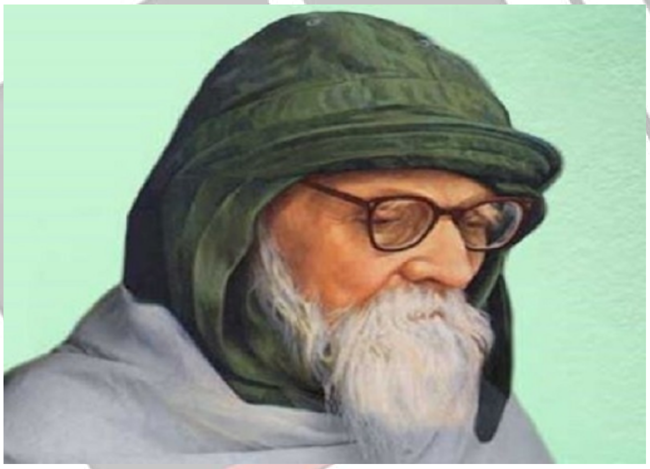

  ### जन्म:

  - विनायक नरहरि भावे का जन्म 11 सितंबर, 1895 को गागोडे, बॉम्बे प्रेसीडेंसी (वर्तमान महाराष्ट्र) में हुआ था।
  - नरहरि शंभू राव और रुक्मिणी देवी के ज्येष्ठ पुत्र थे।
    - उन पर उनकी माँ का अत्यधिक प्रभाव था, इसी कारण वह उनसे 'गीता' पढ़ने के लिये प्रेरित हुए।

- ### संक्षिप्त परिचय:

  - वे भारत के सबसे प्रसिद्ध समाज सुधारकों में से एक और **महात्मा गांधी** के एक व्यापक रूप से सम्मानित शिष्य थे।
  - साथ ही भूदान आंदोलन के संस्थापक (भूमि-उपहार आंदोलन) थे।

- **गांधी के साथ जुड़ाव:**
  - वे महात्मा गांधी के सदि्धांतों व वचिारधारा से आकर्षति होकर राजनीतकि और आध्यात्मकि दोनों दृष्टकिोण से गांधी को अपना गुरु मानते थे।
  - उन्होंने वर्ष 1916 में अहमदाबाद के पास साबरमती में गांधीजी के आश्रम (तपस्वी समुदाय) में शामलि होने के लयि अपनी हाईस्कूल की पढ़ाई छोड़ दी।
  - गांधी की शक्षिाओं ने भावे को भारतीय ग्रामीण जीवन को बेहतर बनाने के लयि समर्पति जीवन की ओर अग्रसर कयि।

- **स्वतंत्रता संग्राम में भूमकिा:**
  - उन्होंने असहयोग आंदोलन के कार्यक्रमों में हसि्सा लयि और वशिेष रूप से आयातति वदिेशी वस्तुओं के स्थान पर स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग का आह्वान कयि।
  - वर्ष 1940 में उन्हें भारत में गांधीजी द्वारा ब्रटिशि राज के खलिाफ पहले व्यक्तगित सत्याग्रही (सामूहकि कार्रवाई के बजाय सत्य के लयि खड़े होने वाले व्यक्त) के रूप में चुना गया था।
  - 1920 और 1930 के दशक के दौरान भावे को कई बार बंदी बनाया गया तथा ब्रटिशि शासन के खलिाफ अहसिक प्रतरिोध के लयि 40 के दशक में पाँच साल की जेल की सज़ा दी गई थी। उन्हें आचार्य (शक्षिक) की सम्मानति उपाधदिी गई थी।

- **सामाजकि कार्यों में भूमकिा:**
  - उन्होंने समाज में व्याप्त असमानता जैसी सामाजकि बुराइयों को समाप्त करने की दशिा में अथक प्रयास कयि।
  - गांधीजी द्वारा स्थापति उदाहरणों से प्रभावति होकर उन्होंने उन लोगों का मुद्दा उठाया जन्हिें गांधीजी द्वारा हरजिन कहा जाता था।
  - उन्होंने गांधीजी के सर्वोदय शब्द को अपनाया जसिका अर्थ है "सभी के लयि प्रगत" (Progress for All)।
  - इनके नेतृत्व में 1950 के दशक के दौरान सर्वोदय आंदोलन ने वभिन्नि कार्यक्रमों को लागू कयि गया जनिमें प्रमुख भूदान आंदोलन है।

- **भूदान आंदोलन:**
  - वर्ष 1951 में तेलंगाना के पोचमपल्ली (Pochampalli) गाँव के हरजिनों ने उनसे जीवकिोपार्जन के लयि लगभग 80 एकड़ भूमप्रिदान कराने का अनुरोध कयि।
  - वनिोबा ने गाँव के ज़मींदारों को इस आंदोलन में आगे आने और हरजिनों की सहायता करने के लयि कहा। उसके बाद एक ज़मींदार ने आगे बढ़कर आवश्यक भूमप्रिदान करने की पेशकश की। इस घटना ने बलदिान और अहसिा के इतहिास मेंएक नया अध्याय जोड़ दयि।
  - यह भूदान (भूमकिा उपहार) आंदोलन की शुरुआत थी।
  - यह आंदोलन 13 वर्षों तक जारी रहा और इस दौरान वनिोबा भावे ने देश के वभिन्नि हसि्सों (कुल 58,741 कलिोमीटर की दूरी) का भ्रमण कयि।
  - वह लगभग 4.4 मलियिन एकड़ भूमएिकत्र करने में सफल रहे, जसिमें से लगभग 1.3 मलियिन को गरीब भूमहीन कसिानों के बीच वतिरति कयि गया।
  - इस आंदोलन ने दुनयि भर से प्रशंसको को आकर्षति कयि तथा स्वैच्छकि सामाजकि न्याय को जागृत करने हेतु इस तरह के एकमात्र प्रयोग के कारण इसकी सराहना की गई।

- **क्षेत्रीय कार्य:**
  - वर्ष 1923 में उन्होंने मराठी में एक मासकि 'महाराष्ट्र धर्म' का प्रकाशन कयि, जसिमें उपनषिदों पर उनके नबिंध छापे गए थे।
  - उन्होंने जीवन के एक सरल तरीके को बढ़ावा देने के लयि कई आश्रम स्थापति कयि, जो वलिासति से रहति थे, क्योंकयिह लोगों का ध्यान ईश्वर की भक्तसि हटा देता है।
  - महात्मा गांधी की शक्षिाओं की तर्ज पर आत्मनर्भिरता के उद्देश्य से उन्होंने वर्ष 1959 में महलिाओं के लयि 'ब्रह्म वद्यिा मंदरि' की स्थापना की।
  - उन्होंने गोहत्या पर कड़ा रुख अपनाया और इसके प्रतबिंधति होने तक उपवास करने की घोषणा की।

- **साहत्यिक रचना:**
  - उनकी महत्त्वपूर्ण पुस्तकों में शामलि हैं: स्वराज्य शास्त्र, गीता प्रवचन और तीसरी शक्तआिदि।

- **मृत्यु**
  - वर्ष 1982 में वर्द्धा, महाराष्ट्र में उनका नधिन हो गया।

- ## पुरस्कार
    - विनोबा भावे वर्ष 1958 में रेमन मैग्सेसे पुरस्कार प्राप्त करने वाले पहले अंतर्राष्ट्रीय और भारतीय व्यक्ति थे। उन्हें 1983 में मरणोपरांत भारत रतन से भी सम्मानित किया गया था।

स्रोत: पीआईबी

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/acharya-vinoba-bhave